फिनिशर्स का रोल निभाने की तैयारी

कर्नाटक के लिए घरेलू क्रिकेट खेलने वाले उथप्पा इस साल से केरल की ओर से खेलने लगे हैं। उन्होंने कहा कि अब मैं भारतीय टीम के लिए फिनिशर्स का रोल निभाने की तैयारी कर रहा हूं। कई साल तक आईपीएल में कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए खेलने वाले उथप्पा को इस बार इस फ्रैंचाइजी ने अपनी टीम से रीलीज कर दिया और इसके बाद उथप्पा को राजस्थान रॉयल्स अपनी टीम में रखा है।

मुझे पूरा भरोसा एक वर्ल्ड कप और खेलूंगाः रॉबिन उथप्पा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। टीम इंडिया में लंबे समय से अपनी वापसी का इंतजार कर रहे मिडल ऑर्डर बल्लेबाज रॉबिन उथप्पा को लगता है कि अभी वह कम से कम एक वर्ल्ड कप और खेल सकते हैं। उथप्पा ने टीम इंडिया में आखिरी बार साल 2015 में जगह बनाई थी, इसके बाद से वह बीते 5 सालों अपनी वापसी की राह टटोल रहे हैं। उथप्पा इस साल ऑस्ट्रेलिया में होने वाले टी20 वर्ल्ड कप को लेकर अपनी तैयारियां कर रहे हैं और उन्हें भरोसा है कि इस बार वह भारतीय टीम में अपनी जगह पक्की कर लेंगे। भारत की ओर से 46 वनडे और 13 टी20 इंटरनैशनल मैच खेल चुके इस बल्लेबाज ने कहा क्रिकेट वेबसाइट क्रिक इन्फो से एक इंटरव्यू में कहा, मैं प्रतिस्पर्धी होना चाहता हूं। मेरे अंदर अभी भी प्रतिस्पर्धा कर अच्छा करने की वह आग है। मुझे ईमानदारी से ऐसा लगता है कि मेरे अंदर अभी भी एक वर्ल्ड कप बाकी है। खासतौर से यह छोटे फॉर्मेट वाला। इस बल्लेबाज ने कहा कि मुझे पूरा विश्वास है कि मैं भारतीय टीम में फिर से अपनी जगह पक्की कर लूंगा।

खाली स्टेडियमों में आईपीएल खेलने में दिक्कत नहीं: हरभजन

क्रिकेट

भज्जी बोले– मुझे मैदान पर न जाना अखर रहा है, प्रशंसकों को भी लग रही है कमी

कोरोना वायरस पर नियंत्रण के बाद जरूर हो आईपीएल का आयोजन

आईपीएल से जुड़ी है कई लोगों की आजीविका, हालात सामान्य होने पर जरूर हों खेल

प्लेयर्स की सेहत भी अहम, इसलिए फ्लाइट, मैदान, होटल, बसें आदि सब हों साफ

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

मुंबई। अनुभवी ऑफ स्पिनर हरभजन सिंह ने कहा कि उन्हें खाली स्टेडियमों में इंडियन प्रीमियर लीग (च्ब्) खेलने में दिक्कत नहीं है। लेकिन कोविड–19 महामारी पर नियंत्रण के बाद इस टूर्नामेंट का आयोजन होना चाहिए क्योंकि इस पर कई लोगों की आजीविका निर्भर है।

चेन्नै सुपर किंग्स की तरफ से खेलने वाले हरभजन ने स्टार स्पोर्ट्स के एक कार्यक्रम में कहा, दर्शक महत्वपूर्ण होते हैं लेकिन अगर परिस्थितियां अनुकूल न हों तो मुझे उनके बिना खेलने में कोई दिक्कत नहीं है। एक खिलाड़ी के तौर पर मुझे दर्शकों का समर्थन नहीं मिलेगा लेकिन इससे यह सुनिश्चित होगा कि प्रत्येक प्रशंसक टीवी पर आईपीएल देख पाएगा।

उन्होंने कहा, हमें हर चीज के लिए सतर्क रहना होगा और खिलाड़ियों के स्वास्थ्य को प्राथमिकता में रखना होगा। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि मैच स्थल, टीम होटल, उड़ान आदि की अच्छी तरह से सफाई की गई हो। यह कई लोगों की आजीविका का सवाल है इसलिए जब सब कुछ ठीक हो जाए तो हमें आईपीएल का आयोजन करना चाहिए।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने आईपीएल को 15 अप्रैल तक स्थगित कर दिया था। लेकिन इस घातक वायरस के प्रकोप को रोकने के लिए देशव्यापी लॉकडाउन के कारण इसके जल्द आयोजन की संभावना नहीं है। भारत की तरफ से 103 टेस्ट मैच खेलने वाले हरभजन ने कहा, श्मुझे मैचों की काफी कमी खल रही है। मुझे उम्मीद है कि एक साल के बाद में 17 मैच (फाइनल सहित) खेल पाऊंगा। मुझे मैदान पर नहीं जा पाना अखर रहा है। हर किसी प्रशंसक को इसकी कमी खल रही होगी। उम्मीद है कि आईपीएल जल्द होगा। तब तक मुझे खुद को फिट रखना होगा।

आईपीएल के कारण विराट कोहली की स्लेजिंग नहीं कर रही थी ऑस्ट्रेलिया

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। विराट कोहली के नेतृत्व में टीम इंडिया ने ऑस्ट्रेलिया को पहली बार उसके घर में टेस्ट सीरीज में मात दी थी। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व खिलाड़ियों को अपने देश की यह हार अभी तक नहीं पच रही है और उनका मानना है कि साल 2018–19 में कंगारू टीम विराट कोहली और उनकी टीम के सामने कुछ ज्यादा ही सॉफ्ट होकर खेली थी। इसी कारण टीम को हार का सामना करना पड़ा। यह पहला मौका था, जब एशिया की किसी टीम ने कंगारुओं को उसके घर में टेस्ट सीरीज हराई हो। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान माइकल क्लार्क ने ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों पर आरोप लगाया है

कि उन्होंने टीम के ज्यादातर खिलाड़ी आईपीएल को ध्यान में रखकर टीम इंडिया के खिलाफ अपनी रणनीतियां बना रहे थे। इसी कारण वे विराट कोहली और उनके बाकी खिलाड़ियों के प्रति जरूरत से ज्यादा सॉफ्ट रहे, ताकि उन्हें आईपीएल से मोटी डील हासिल हो सके। क्लार्क ने ऑस्ट्रेलिया के एक रेडियो प्रोग्राम द बिग स्पोर्ट्स ब्रेकफस्ट से यह बात कही।

2018–19 में टीम इंडिया ऑस्ट्रेलियाई दौरे पर थी और यहां भारतीय टीम ने 4 टेस्ट की सीरीज में मेजबान टीम को 2–1 से शिकस्त दी थी। 71 साल के इतिहास में यह पहला मौका था, जब भारत ने कंगारुओं को उनकी अपनी मिट्टी पर मात दी।

इस हार से अब तक दुखी इस पूर्व कंगारू कप्तान ने कहा, श्सभी जानते हैं कि इस खेल के वित्तीय मामलों में भारत कितना मजबूत है। यह अमीरी चाहे फिर इंटरनेशनल लेवल पर हो या फिर आईपीएल के साथ घरेलू स्तर पर। उन्होंने कहा, श्हमारे खिलाड़ी कोहली ऍड कंपनी से थोड़े डरे हुए थे क्योंकि उन्हें अप्रैल (2019) में उन्हीं के साथ आईपीएल में जो खेलना था। इसलिए वे उनकी स्लेजिंग करने से कतरा रहे थे।

आयोजकों को उम्मीद तय समय पर होगा टी20 वर्ल्ड कप

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) मेलबर्न। दुनिया भर में फैली कोरोना वायरस महामारी के बावजूद टी20 क्रिकेट वर्ल्ड कप के आयोजनकर्ताओं को उम्मीद है कि ऑस्ट्रेलिया में इस साल अक्टूबर–नवंबर में होने वाला यह टूर्नामेंट अपने तय समय पर होगा। कोरोना वायरस के कारण पूरी दुनिया में सभी खेल गतिविधियां रुकी हुई हैं। इस महामारी के कारण कई टूर्नामेंट या तो रद्द कर दिए गए हैं या फिर स्थगित कर दिए हैं। ऐसे में 18 अक्टूबर से 15 नवंबर तक होने वाले टी20 वर्ल्ड कप पर भी खतरे के बादल मंडरा रहे हैं। ऑस्ट्रेलिया में होने वाली ऑस्ट्रेलियाई फुटबॉल लीग और नैशनल रग्बी लीग सीजन को कोरोना वायरस के कारण पहले ही निलंबित किया जा चुका है। इन लीग की तारीखें टी20 विश्व कप की तारीखों से टकरा सकती हैं। क्रिकेट.कॉम ने टी–20 वर्ल्ड कप आयोजन समिति के मुख्य कार्यकारी अधिकारी निक हॉक्ले के हवाले से लिखा, श्हम खुद को उस सर्वश्रेष्ठ स्थिति में लाना चाहते हैं, जहां से हम तय कार्यक्रम के अनुसार इस टूर्नामेंट का सफल आयोजन कर सकें। हमें उम्मीद है कि यह कार्यक्रम के अनुसार होगा। हम सभी पहलुओं से इस पर गौर कर रहे हैं।

न्यूज डायरी

इकॉनमी में टीवी क्रू के साथ सफर करना पसंद करते थे धोनीः गावसकर

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी की सादगी के किस्से बहुत मशहूर हैं। एक मध्यमवर्गीय परिवार से लेकर उन्होंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के सबसे कामयाब कप्तानों में शुमार होने का सफर तय किया। धोनी की इस सादगी के मुरीद तो महान बल्लेबाज सुनील गावसकर भी हैं। गावसकर ने एक अंग्रेजी अखबार में लिखे अपने कॉलम में गावसकर ने धोनी की सादगी का एक बहुत ही प्यारा किस्सा बयां किया है। गावसकर ने लिखा है कि धोनी चार्टज फ्लाइट में भी बिजनस क्लास में नहीं बैठते थे। उन्होंने लिखा कि भारतीय कप्तान होने के बावजूद धोनी टीवी क्रू के साथ इकॉनमी में सफर करते थे। भारतीय क्रिकेट टीम में टॉप–परफॉर्म करने वाले खिलाड़ियों को घरेलू उड़ानों में भी सीमित बिजनस क्लास सीटें मिलती हैं। धोनी जो उस समय भारत के चोटी के खिलाड़ी थे वह इस विकल्प का इस्तेमाल नहीं करते थे।

लॉकडाउन में कोच फोन पर करा रहे प्रैक्टिस

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। भारतीय महिला रेसलिंग टीम के कोच कुलदीप मलिक कोरोना के कहर के बीच खिलाड़ियों से फोन के जरिए संपर्क में हैं। कुलदीप ने कहा कि रेसलिंग ऐसा खेल नहीं है जहां पहलवान घर के अंदर अकेले प्रैक्टिस कर लें। उनके सामने चुनौती है कि वह रेसलिंग पार्टनर के बगैर अपना अभ्यास कैसे जारी रखें। ऐसे मुश्किल दौर में कुलदीप खिलाड़ियों को फोन पर या फिर विडियो कॉल के जरिए टिप्स देते रहते हैं। यह टिप्स उनकी फिटनेस और स्टेमिना से संबंधित होता है। कुलदीप ने बताया, श्सभी की हालत में रूटीन प्रैक्टिस करना मुश्किल है। ऐसे में मैं खिलाड़ियों से विडियो कॉल तो कम, ज्यादातर फोन करके उन्हें बताता हूं कि आज किस तरह की प्रैक्टिस करनी है। अभी मेरा जोर विशेष रूप से इस बात पर है कि इस लॉकडाउन के दौरान खिलाड़ियों की फिटनेस और स्टेमिना में किसी तरह की कमी ना आए। इसके लिए मैं उन्हें रोजाना योग, रस्सी कूद वगैरह के लिए कहता हूं।

दिल्ली में होने वाला शूटिंग वर्ल्ड कप कोरोना के कारण रद्द

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। भारत की राजधानी में दो चरणों में होने वाला निशानेबाजी वर्ल्ड कप रद्द कर दिया गया है। भारतीय राइफल संघ (एनआरएआई) के सचिव राजीव भाटिया ने सोमवार को इस बात की जानकारी दी। भाटिया ने आईएएनएस से कहा, 'नई तारीखों का ऐलान नहीं हुआ है। टूर्नामेंट रद्द कर दिया गया है। मुझे नहीं लगता कि इस साल यह टूर्नामेंट हो पाएगा। नई दिल्ली–2020 वर्ल्ड कप रद्द कर दिया गया है।' अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी महासंघ (आईएसएसएफ) ने सोमवार को एक बयान में कहा कि राइफल और पिस्टल और शॉटगन चरण रद्द कर दिए गए हैं। बयान के मुताबिक, 'कोविड–19 की वजह से दिल्ली आयोजन समिति ने राइफलधपिस्टल और शॉटगन विश्व कप रद्द करने का फैसला किया है। यह दोनों विश्व कप नई दिल्ली में होने थे। राइफल और पिस्टल विश्व कप पांच से 13 मई के बीच होना था जबकि शॉटगन विश्व कप 20 से 29 मई के बीच खेला जाना था।'

सुशील कुमार बोले, लोगों को मेरी दावेदारी खारिज करने की आदत

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। दिग्गज पहलवान सुशील कुमार उम्र के ऐसे पड़ाव पर हैं जहां ज्यादातर खिलाड़ी संन्यास की घोषणा कर देते हैं। वहीं, ओलिंपिक में दो पदक जीतने वाले इस पहलवान ने कहा कि वह 'कौन क्या कह रहा' पर ध्यान देने की जगह तोक्यो में 2021 में होने वाले ओलिंपिक की तैयारी कर रहे हैं। सुशील ने पीटीआई को दिए इंटरव्यू में कहा, 'लोगों को मेरे खेल के खत्म होने के बारे में लिखने की आदत है लेकिन इससे मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता।' सुशील हालांकि ओलिंपिक के लिए क्वॉलिफाइ करने के मामले में संघर्ष कर रहे थे लेकिन इस खेल के एक साल तक टलने के बाद एक बार फिर से पदक जीतने की उनकी उम्मीद परवान चढ़ रही है। मुझे अधिक समय मिला है और अधिक समय का मतलब होता है बेहतर तैयारी।'